an>

Title: Regarding Communally motivated statement made by some right-wing organisation regarding churches.

SHRI K.C. VENUGOPAL (ALAPPUZHA): I would thank you, Madam, for calling me to raise this issue.

I would like to speak on a highly dangerous trend happening in our country that puts the secular sentiments in fear and danger. Targeting the minority community institutions and sentiments has become the order of the day. It is highly condemnable that day after day, the Right Wing Movements are making statements that hurt the sentiments of the minority people. The continuous attack on the churches has become a daily incident. Churches were targeted in Delhi, Haryana and Agra. Even now, not a single person has been booked or arrested in connection with that. These incidents have provided much confidence to the Right Wing elements to come into public and justify such attacks.

> The Hindu Mahasabha General Secretary on Monday said:
>
> "Attacking a church is not illegal and violates no law. The Narendra Modi-led NDA Government should award and provide legal and administrative protection to Hindus who attack churches across the country. Churches are no longer places of worship but factories for conversion of Hindus into Christianity –* Hindu Mahasabha General Secretary."

He also said that the outfit would give awards and protection for Hindu youths who attack churches and marry Muslim girls. He also said that Taj Mahal was a Shiva temple and not a museum and would meet the same fate as Babri Masjid. Why this kind of statements are made on a daily basis? I admit the Government has condemned such statements both inside and outside the House. Even our hon. Prime Minister at a function to commemorate Saint Kuriakose Elias Chavara and Sister Euphrasia has assured us that such statements and action will be curtailed. But what we see is that, Right Wing elements are making day after day inflammatory statements. Recently one MP belongs to *demanded to remove the voting rights of Muslims. Another MP, our colleague, ...** support it. ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** फिर से आप वही बात रोज़ रोज़ करते हैं। नाम नहीं लेना है। Such allegations will not go on record.

...(*Interruptions*)â€¦ *

HON. SPEAKER: No, I am sorry.

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Day before yesterday also you raised the same issue. Every day it should not be. किसी का नाम लेकर नहीं कहना है। मैं बात कर रही हूँ। मैंने बस कहा, इसीलिए बस हो गया। रोज़ रोज़ इस तरीके से कहना! आप बैठिए न प्लीज़! मैंने बोला कि Now, it is okay. That is why, माइक बंद हो गया। फिर रोज़ रोज़ वही बात, प्लीज़। एक बार हो गया है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** वेणुगोपाल जी का माइक स्टार्ट कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI K.C. VENUGOPAL : What is happening now a days? These things are happening only after....* ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** ऐसा कुछ नहीं है। पहले भी होता था। I am sorry.

â€¦(व्यवधान)

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT AND ENTREPRENEURSHIP AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI RAJIV PRATAP RUDY): You have to hear this.

HON. SPEAKER: No. Nothing will go on record like this. आप बैठिये।

...(*Interruptions*)â€¦ **

HON. SPEAKER: मैंने कल ही बोला। Try to avoid. I am sorry. It is okay. Every day, it should not be like that – this Government and that Government. इस पर मैं बहस थोड़ी करा रही हूँ। सहयोगी बनना हो तो you can, but not to make your comments.

...(*Interruptions*)

SHRI RAJIV PRATAP RUDY: Just listen to the sentence what he has spoken. जिस प्रकार का बयान वेणुगोपाल साहब दे रहे हैं, अगर इसी प्रकार से निरंतर इस सदन का

उपयोग इस तरह के बयान के लिए किया जाएगा तो निश्चित रूप से इनके बयान से देश बँटेगा। ...(व्यवधान)

महोदया, इन्होंने एक विषय कहा है जिसे रिकार्ड से बाहर निकाला जाए। इन्होंने कहा है कि देश के .....*

माननीय अध्यक्ष : मैंने एक्सपंज करने के लिए कहा है।

श्री राजीव प्रताप रूडी : इसे रिकार्ड से बाहर निकाला जाए और न ही इसका प्रकाशन हो, और इस प्रकार के आरोप लगाकर देश को इस प्रकार की ताकतें बाँटना चाहती हैं, हम इसका पूरे तौर पर विरोध करते हैं।

HON. SPEAKER: I have already said that every now and then प्रधान मंत्री का नाम हर चीज़ में लेना गलत है और इसमें भी जिस तरीके से..., No, it will not go on record. I am sorry.

...(*Interruptions*)â€¦*

HON. SPEAKER: यह कोई बात नहीं होती है। Everyday, you are doing this. I am sorry.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Shri Sumedhanand Sarswati.

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Shri P.K. Biju, Shri P. Karunakaran, Shri Sankar Prasad Datta, Adv. Joice George are allowed to associate with the issue raised by Shri K.C. Venugopal.

श्री सुमेधानन्द सरस्वती (सीकर): माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का मौका दिया। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप नेता भी हैं तो भी मैं बार बार हर चीज़ को अलाऊ नहीं करूँगी। यह क्या है, रोज़ उठकर बोलते हैं? आप बैठिये।

â€¦(व्यवधान)

श्री सुमेधानन्द सरस्वती : मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। कृषि विषय पर बहुत सारी चर्चा हुई, माननीय सदस्यों ने बहुत अच्छे सुझाव दिये। माननीय प्रधान मंत्री जी ने और कृषि मंत्री जी ने बहुत अच्छी सहायता किसानों को दी। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इस पर कोई क्या करेगा? इसलिए प्रधान मंत्री को बार बार नहीं ला सकते हैं। No, I am sorry.

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : Nothing will go on record. Only Shri Sumedhanand Saraswati's statement will go on record.

...(*Interruptions*)â€¦ *

श्री सुमेधानन्द सरस्वती : परंतु एक विषय ऐसा है जिसकी ओर माननीय वक्ताओं का, माननीय सदस्यों का और माननीय सरकार का ध्यान भी नहीं गया है। मैं उसकी ओर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। मेरे क्षेत्र सीकर में प्याज की खेती होती है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज़ आप बैठ जाइए, आपकी बात रिकार्ड पर नहीं जा रही है।

...(*Interruptions*)â€¦ *

माननीय अध्यक्ष : यह रोज़ रोज़ अच्छा नहीं है, आप बैठिये। Everyday it should not be done like that. I will not allow.

...(*Interruptions*)â€¦

श्री सुमेधानन्द सरस्वती : राजस्थान और गुजरात दो ऐसे प्रांत हैं, अन्य प्रांतों में भी खेती होती होगी जिसमें जीरा और ईसबगोल की खेती होती है। मैं निवेदन करना चाहता हूँ कि ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठिए, यह क्या हो रहा है?

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing is going on record. When I am saying only Shri Sumedhanand Sarswati's statement will go on record, then why all of you are having cross statements? You go to your room and have it.

...(*Interruptions*)â€¦ *

श्री सुमेधानन्द सरस्वती : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपसे निवेदन कर रहा था कि मेरे क्षेत्र में प्याज होता है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं हाथ जोड़ती हूँ, आप प्लीज़ बैठिये।

â€¦(व्यवधान)

श्री सुमेधानन्द सरस्वती :राजस्थान और गुजरात का बहुत सारा क्षेत्र ऐसा है कि जिसमें ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठिये, इनको कंप्लीट करने दो।

...(*Interruptions*)â€¦ *

HON. SPEAKER: Let him complete his submission.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: When I have taken his name, let him complete.

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** कुछ तो चेयर की बात सुनिए। आप बैठिये, मैं इनको कम्पलीट करने के बाद आपकी बात बाद में सुनूंगी। ऐसा नहीं होता है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** खड़गे जी, आप क्या कहना चाहते हैं। ऐसा है कि आप भी समझिये, मैं जिसका नाम लूं, वही माइक ऑन होगा, You know the practice. तो उनकी बात पूरी होने के पहले आपका माइक ऑन नहीं हो सकता है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे **(**गुलबर्गा**) :** उनका विषय भी महत्व का है, हम उसको इग्नोर नहीं कर सकते हैं।

माननीय अध्यक्ष **:** और मैंने उनका नाम लिया था।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे **:** हम सभी का कन्सर्न वही है, जो अभी माननीय एम.पी. साहब बोले हैं। हम तो उनकी समस्या से सहमत हैं, लेकिन समस्या यह है कि कल यह बात यहां पर उठाई गई थी, यहां पर आई थी तो माननीय गृह मंत्री जी ने उत्तर भी दिया था और आज भी फिर से नई समस्या यहां पर आई है। हमारे माननीय वेणुगोपाल जी ने उसे उठाया है और बाद में पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर यह कहते हैं कि ये रोज-रोज उठा रहे हैं, हो यह रहा है कि आपके कहने के बावजूद भी संविधान के तहत हम चलने वाले हैं और इस देश में संविधान ही सबसे श्रेष्ठ है, उसके अनुसार ही शासन चलेगा, यह आपका आश्वासन है, लेकिन बार-बार, दूसरे लोग कोई नहीं बोल रहे हैं, आपके लोग ही, आपके सिम्पैथाइज़र, आपके सपोर्टर्स, आपके संगठक यह कह रहे हैं कि इस देश में ...(व्यवधान) यह क्या है? जब आर्टिकल 25 के तहत सब को एक्सपैंस करने का और अपने फेथ में विश्वास रखने का समान अधिकार है तो ऐसे वक्त यह जो हो रहा है तो उसके ऊपर होम मिनिस्टर साहब ऐसी रिपोर्ट लाकर एक-दो को सजा दें, ताकि उनको शिक्षा मिले। जब शिक्षा नहीं होती तो यह ठीक नहीं है, ये बोलते ही जाते हैं, उनको आप शिक्षा दीजिए, उनके ऊपर केस डालिये। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** प्लीज़ बैठिये। गृह मंत्री जी स्टेटमेंट दे रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** अरविन्द जी, बैठिये, गृह मंत्री जी बोल रहे हैं। मैं समझ रही हूं, मैंने उसको निकाल दिया है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** बैठिये, शून्यकाल में पाइंट ऑफ ऑर्डर नहीं होता है, बैठिये। हाउस में सब डिस-ऑर्डर ही है। आप बोलिये।

गृह मंत्री **(**श्री राजनाथ सिंह**) :** अध्यक्ष महोदया, मेरी सरकार की यह मान्यता है कि चाहे वह किसी भी धर्म को मानने वाला क्यों न हो, उसके पूजा-स्थल पर अगर कहीं कोई आक्रमण होता है, उसकी आस्था और विश्वास पर यदि कोई चोट पहुंचाने की कोशिश करता है, तो उसे उससे पूरी सुरक्षा मुहैया करायी जानी चाहिए। यह हमारी सरकार की सोच है। हम यह मानकर चलते हैं कि घटना किसी के द्वारा हो, लेकिन इस देश की संसद का एक सदस्य होने के नाते, एक जागरूक नागरिक होने के नाते हमारी यह जिम्मेदारी बनती है कि हम अपनी तरफ से यह भरपूर कोशिश करें कि हिन्दुस्तान की माइनॉरिटीज़ के अन्दर एक सेंस-ऑफ-फियर डेवलप न करने पाए, बल्कि हमारी कोशिश तो यह होनी चाहिए कि सेंस-ऑफ-फियर के स्थान पर हम उनके अन्दर एक सेंस-ऑफ-कॉन्फीडेंस डेवलप करें। इसके लिए हमारी तरफ से प्रयत्न होना चाहिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, मैं बराबर यह देखता हूं कि यदि चार महीने पहले की भी कोई घटना हो, देश के किसी राज्य में घटित यदि कोई भी घटना हो तो जान-बूझकर इस सदन में उस मामले को उठाने की कोशिश की जाती है।...(व्यवधान) यह कोशिश कम्युनल डिवाइड की कोशिश है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आप सुनने की हिम्मत रखिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** केवल गृह मंत्री का स्टेटमेंट रिकॉर्ड में जाएगा, बाकी किसी को जितना भी चिल्लाना है, उन्हें चिल्लाने दें। सभी लोग सुनने की हिम्मत रखें।

(व्यवधान)...*

श्री राजनाथ सिंह **:** अध्यक्ष महोदया, अगर आपकी इज़ाजत होगी तो मैं कभी भी इस संबंध में एक फुल-फ्लेज्ड स्टेटमेंट के साथ इस सदन में आ सकता हूं और मैं यह बता सकता हूं कि पहले यहां

कितनी सांप्रदायिक घटनाएं घटित हुई हैं। कितनी बार चर्चेज पर अथवा अन्य धर्मावलम्बियों के धार्मिक स्थलों पर हमले हुए हैं, उसकी जानकारी मैं संसद को दे सकता हूं, ताकि सारा देश इससे अवगत हो सके कि इस प्रकार की घटनाएं किसके शासनकाल में सर्वाधिक होती हैं।...(व्यवधान)